50
वर्षों की
राष्ट्र को समर्पित सेवा

जल तरंग

हिंदी पत्रिका

नव मंगलूर पत्तन प्राधिकरण

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय से
राजभाषा पुरस्कार

वर्ष 2016-17 एवं 2017-18 के लिए राजभाषा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हेतु श्री सर्बानंद सोणोवाल, माननीय केंद्रीय मंत्री, पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग तथा आयुष मंत्रालय से नई दिल्ली के विज्ञान भवन में दिनांक 29.07.2023 को आयोजित पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति के दौरान डॉ. ए.वी. रमणा, अध्यक्ष, नव मंगलूर पत्तन प्राधिकरण 'प्रथम पुरस्कार' प्राप्त करते हुए।

अध्यक्षीय संदेश

हिंदी इस देश की संपर्क की भाषा है क्योंकि अधिकाधिक लोग इस भाषा को समझते हैं। हिंदी स्वयं एक सक्षम भाषा है। हिंदी में विश्व भाषा बनने की ताकत है। इसका साहित्य अनमोल है। इसके अलावा, सरकार की राजभाषा नीति का अनुपालन करना भी हमारा संवैधानिक दायित्व है, क्योंकि हिंदी राजभाषा के पद पर आसीन है।

यह अत्यंत प्रसन्नता की बात है कि नव मंगलूर पत्तन प्राधिकरण को राजभाषा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हेतु पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय द्वारा दिनांक 29.07.2023 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित हिंदी सलाहकार समिति के दौरान वर्ष 2016-17 एवं 2017-18 के लिए लगातार 'प्रथम पुरस्कार' से सम्मानित किया गया और दिनांक 28.11.2023 को आयोजित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), मंगलूरु की 73वीं अर्ध-वार्षिक बैठक में इस पत्तन को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), मंगलूरु से वर्ष 2022-23 के लिए संघ की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन हेतु 'तृतीय पुरस्कार' प्राप्त हुआ।

इस पत्रिका ने हिंदी के प्रचार-प्रसार में अहम भूमिका निभाई है। पत्तन की गतिविधियों की झलक भी इस पत्रिका में समाविष्ट है। इस पत्रिका के कामकाज में जुड़े सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मैं बधाई देता हूँ।

पत्तन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की रचनाओं और इस कार्यालय की मुख्य गतिविधियों को शामिल करते हुए इस पत्रिका को हमेशा सजीव एवं सार्थक बनाने हेतु हमारा प्रयास रहा है।

मैं, 'जल तरंग' पत्रिका के सतत प्रकाशन एवं उपयोगिता की कामना करता हूँ और पत्रिका में योगदान के लिए सभी कार्मिकों को शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

(डॉ. वेंकट रमणा अक्कराजु)
अध्यक्ष

उपाध्यक्ष की डेस्क से ...

सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग को और अधिक बढ़ाए जाने की आवश्यकता है। इसके लिए यह जरूरी है कि हम हिंदी का प्रयोग सरल और सहज रूप में करें। जिस प्रकार बात-चीत के लिए हिंदी बहुत आसान है उसी प्रकार उसमें कार्य करना भी आसान है। इसके साथ-साथ हिंदी का प्रयोग बढ़ाने के लिए तकनीकी टूल्स को भी शामिल किया जाए ताकि उसकी पहुंच अधिक से अधिक लोगों तक हो।

सरकारी कामकाज मूल रूप में हिंदी में करने के लिए हम अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निरंतर प्रेरित करते रहते हैं। इसके लिए पत्तन में प्रोत्साहन योजनाएं भी लागू हैं। प्रेरणा, प्रोत्साहन एवं पुरस्कार से हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने की हमारी कोशिश एक हद तक सफल रही है। पारंगत पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने पर वित्त वर्ष 2020-21 से प्रोत्साहन लागू किया गया है, जो पारंगत परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले कार्मिकों को प्रदान किया जा रहा है। वर्ष 2023 के दौरान दो सत्रों में अर्थात जनवरी से मई और जुलाई से नवंबर तक प्राज्ञ में कुल 04 और पारंगत में 21 कार्मिकों ने परीक्षा उत्तीर्ण की। पत्तन परिसर में नियमित रूप से हिंदी प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

यह पत्रिका राजभाषा के साथ-साथ हमारे कार्यालय की उपलब्धियों एवं विकास का भी दर्पण है। मैं इस अवसर पर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से यह अपेक्षा करती हूँ कि वे स्वयं सरकारी कामकाज में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करें तथा अपने अधीनस्थ अधिकारियों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करें।

अलग-अलग मंचों पर नव मंगलूर पत्तन को राजभाषा के क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल हुई हैं। यह हमारे लिए अत्यंत गर्व का विषय है।

पत्तन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके इस प्रयास के लिए और इस अंक के सफल प्रकाशन की बधाई देती हूँ।

एस. शांती

(एस. शांती)
उपाध्यक्ष

सचिव की कलम से ...

प्रिय सहकर्मियो,

पत्तन की हिंदी गृह पत्रिका जल तरंग-2023 आपको सौंपते हुए मुझे अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है। नव मंगलूर पत्तन राजभाषा हिंदी के प्रयोग को अधिकाधिक बढ़ाने हेतु हमेशा प्रयत्नशील है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह पत्रिका, हिंदी के प्रचार-प्रसार में एक अहम भूमिका निभाएगी और साथ ही कार्यालयीन प्रयोग में भी हिंदी को बढ़ावा देने में सफल रहेगी। इन समस्त प्रयासों से हिंदी के प्रयोग में कार्मिकों की अभिरूचि बढ़ेगी।

हिंदी में प्रकाशित लेख एवं रचनाएं कार्मिकों की रूचि, रचनात्मकता, विचार एवं भाषा कौशल के परिचायक हैं एवं साथ ही, राजभाषा में लेखन एवं पठन दोनों को जीवंतता प्रदान करते हैं। मैं सभी रचनाकारों को बधाई देते हुए आग्रह करता हूं कि पूर्व की भांति ही पत्रिका के सफल प्रकाशन में अपनी सृजनात्मकता द्वारा योगदान करते रहें। पत्रिका के इस अंक में कार्मिकों के लेख, रचनाएं इत्यादि के साथ-साथ पत्तन के वार्षिक क्रियाकलाप भी शामिल किए गए हैं। पत्रिका पत्तन की गतिविधियों का दर्पण है।

दिनांक 03.10.2023 को पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के अधिकारियों द्वारा पत्तन का राजभाषायी निरीक्षण किया गया। यह बताते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है कि इस मौके पर पत्तन के अध्यक्ष, डॉ. ए.वी. रमणा द्वारा सभी विभागाध्यक्षों, और अधिकारियों की उपस्थिति में मासिक न्यूज़लेटर 'कुडला तरंग' के प्रथम अंक का विमोचन किया गया, जिसका नामकरण मंगलूर की संस्कृति और क्षेत्रीय भाषा पर किया गया।

इस अंक को आप सभी के सामने प्रस्तुत करते हुए मैं यह आशा करता हूं कि आप सब इसे सहर्ष अपनाएंगे और साथ ही इसके पाठकों की वृद्धि करने में भी सहयोग देंगे।

(जिजो तोमस)
सचिव

अनुक्रमणिका

- नव मंगलूर पत्तन को मिला 'सागर श्रेष्ठ सम्मान' 1
- पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय द्वारा पत्तन का निरीक्षण एवं संवाद सत्र का आयोजन 2-3
- राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पत्तन का निरीक्षण 4
- हिंदी माह / पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं की झलकियां 5-7
- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, मंगलूरु के तत्वावधान में एनएमपीए द्वारा आयोजित हिंदी प्रतियोगिता 8
- 'हिंदी अभिनंदन' विशेष बैठक का आयोजन 9
- पत्तन परिसर में हिंदी आशुलिपि / भाषा प्रशिक्षण कक्षाओं का आयोजन 10
- मेरा भारत 11
- मेरी मां की वो आँखें 11
- भारत की नई शिक्षा नीति 12-14
- कैसा हो घर का वास्तु 15
- जंगल बनाओ धरती बचाओ 16
- जागो भारत जागो 16
- सबका साथ, सबका विकास, एक भारत, श्रेष्ठ भारत 17
- भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का इतिहास व महत्व 18-20
- पत्तन में वर्ष के दौरान आयोजित गतिविधियां 21-40

संरक्षक

डॉ. वेंकट रमणा अक्कराजु
अध्यक्ष, एनएमपीए

परामर्शदाता

श्री जिजो तोमस
सचिव, एनएमपीए

श्री शेखर बी. लागवणकर
मुख्य अभियंता (सिविल)

श्री कृष्णा बापि आर. जी.
वरिष्ठ उप सचिव

संपादक

श्री कुलदीप सिंह
हिंदी अधिकारी

विशेष सहयोग

कु.लता एस.बी., वरि.अनुवादक
श्रीमती नमिता के., कनि. अनुवादक
श्रीमती शोभा बी.वी., कनि.आशुलिपिक

संपर्क सूत्र

नव मंगलूर पत्तन प्राधिकरण
प्रशासनिक भवन, राजभाषा अनुभाग,
पणंबूर, मंगलूर - 575010
कर्नाटक (भारत)
दूरभाष: 0824-2887547

जल तरंग

हिंदी पत्रिका

अंक: जनवरी - दिसंबर, 2023

वर्ष 2022-23 में समग्र निष्पादन के लिए नव मंगलूर पत्तन को 'सागर श्रेष्ठ सम्मान' प्रदान किया गया

हरित सागर दिशानिर्देश के लॉन्च के दौरान वर्ष 2022-23 के लिए समग्र निष्पादन के लिए एनएमपीए को श्री सर्बानंद सोणोवाल, माननीय केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री द्वारा दिनांक 10.05.2023 को सागर श्रेष्ठ सम्मान से सम्मानित किया गया। एनएमपीए के अध्यक्ष, डॉ.ए.वी. रमणा ने पुरस्कार प्राप्त किया। यह कार्यक्रम शून्य कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य को प्राप्त करने के बड़े दृष्टिकोण को पूरा करने के मद्देनजर पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय द्वारा इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में हरित सागर हरित पत्तन दिशानिर्देश के लॉन्च के दौरान आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान महा पत्तनों को परिचालन और वित्तीय मानदंडों पर वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान हासिल किए गए उनके सभी निष्पादनों के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए।

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय द्वारा पत्तन का राजभाषायी निरीक्षण

दिनांक 03 अक्टूबर, 2023 को श्रीमती संगीता तोपनो, सहायक निदेशक (रा.भा.) और श्रीमती पूजा, कनि. अनुवाद अधिकारी, पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय द्वारा पत्तन का राजभाषा निरीक्षण किया गया। इस मौके पर पत्तन के अध्यक्ष, डॉ. ए.वी. रमणा द्वारा सभी विभागाध्यक्षों और अधिकारियों की उपस्थिति में मासिक न्यूज़लेटर 'कुडला तरंग' के प्रथम अंक का विमोचन किया गया, जिसका नामकरण मंगलूर की संस्कृति और क्षेत्रीय भाषा पर किया गया है।

राजभाषा निरीक्षण के दौरान 'संवाद सत्र' का आयोजन

सभी विभागों के सहयोग से उक्त दोनों निरीक्षण सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए। निरीक्षण के दौरान किसी भी प्रकार की कोई कोई प्रतिकूल टिप्पणी नहीं उठाई गई। राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय और पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय दोनों ने एनएमपीए में किए जा रहे राजभाषा कार्यों की सराहना की।

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पत्तन का राजभाषायी निरीक्षण

दिनांक 13 जून, 2023 को श्री अनिर्बान कुमार, उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, बेंगलूरु, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नव मंगलूर पत्तन का निरीक्षण किया गया।

हिंदी माह-2023 के दौरान आयोजित विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताएं

एनएमपीए में हिंदी पखवाड़ा दिनांक 01.09.2023 से 15.09.2023 तक मनाया गया। इस दौरान अनुवाद प्रतियोगिता, सुलेख लेखन, चित्र पहचानो, वाक्य पूरा करो, निबंध लेखन, वर्ग पहेली, वर्णानुक्रम, स्मरण शक्ति, चित्र कथा लेखन, स्कूली विद्यार्थियों के लिए निबंध लेखन, इत्यादि अलग-अलग वर्गों के लिए हिंदी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इन प्रतियोगिताओं में कुल 122 अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा संविदागत स्टाफ और प्रशिक्षुओं द्वारा प्रतिभागिता की गई।

हिंदी माह-2023 के दौरान आयोजित विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताएं

हिंदी माह-2023 के दौरान आयोजित विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताएं

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, मंगलूरु के तत्वावधान में एनएमपीए द्वारा आयोजित हिंदी प्रतियोगिता

नराकास, मंगलूरु के सदस्य कार्यालयों के सहयोग और प्रतिभागियों की अपेक्षित प्रतिभागिता से एनएमपीए द्वारा 13.10.2023 को आयोजित 'चित्र पहचानो' प्रतियोगिता सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। श्रीमान जॉन अब्राहम, सदस्य सचिव, नराकास, मंगलूरु को मुख्य अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया। इस मौके पर पत्तन प्रबंधन की ओर से श्रीमान कृष्णा बापि राजु, वरिष्ठ उप सचिव ने इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर विभिन्न सदस्य कार्यालयों से आए हुए प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ प्रेषित कीं और और हिंदी के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

हिंदी अभिनंदन बैठक

वर्ष 2016-17 और 2017-18 के लिए राजभाषा शील्ड योजना के तहत लगातार 'प्रथम पुरस्कार' प्राप्त होने पर राजभाषा में किए गए उत्कृष्ट कार्य हेतु आभार व्यक्त करने के लिए दि. 31 जुलाई 2023 को मंडल कक्ष में अध्यक्ष, एनएमपीए की अध्यक्षता में ''हिंदी अभिनंदन बैठक'' बुलाई गई, जिसमें उपाध्यक्ष, मुख्य सर्तकता अधिकारी, सभी विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ उप सचिव, उप सचिव, हिंदी अनुभाग के सभी कर्मचारी उपस्थित हुए। अध्यक्ष, एनएमपीए ने पत्तन में संघ की राजभाषा नीति को प्रभावी तरीके से लागू करने में हिंदी अनुभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले समय में एनएमपीए राजभाषा के क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित करेगा।

हिंदी आशुलिपि प्रशिक्षण

पत्तन प्रबंधन द्वारा उप निदेशक, हिंदी प्रशिक्षण उप संस्थान, मुम्बई से अनुरोध करके हिंदी आशुलिपि प्रशिक्षक को आमंत्रित किया गया। तदनुसार, एनएमपीए में दिनांक 21.08.2023 से 15.10.2023 तक सहायक निदेशक (टं./आशु.), हिंदी प्रशिक्षण उप संस्थान, मुम्बई द्वारा पत्तन परिसर में ही अप्रशिक्षित आशुलिपिकों को गहन हिंदी आशुलिपि प्रशिक्षण दिया गया।

हिंदी भाषा प्रशिक्षण

केंद्रीय हिंदी शिक्षण योजना, भारत सरकार के अधीन वर्ष 2023 के दौरान दो सत्रों अर्थात जनवरी से मई और जुलाई से नवंबर में कुल 04 हिंदी प्राज्ञ में और 22 अधिकारी एवं कर्मचारी हिंदी पारंगत परीक्षा में उतीर्ण हुए। उक्त भाषा प्रशिक्षण पत्तन में ही कक्षाएं आयोजित करके सहायक निदेशक (भाषा), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा प्रदान किया गया।

कैप्टन एस.आर. पट्टनायक
उप संरक्षक

मेरा भारत

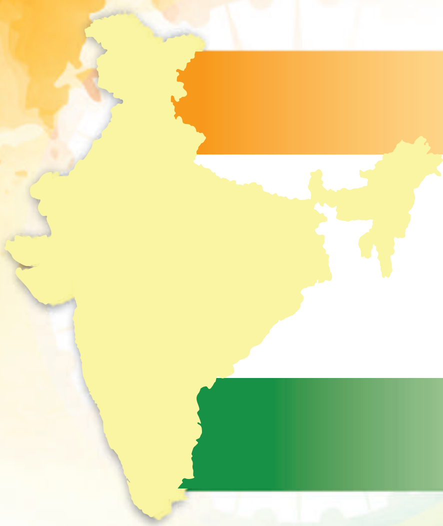

मेरे ज़िंदा रहते कभी आंच न आने दूंगा ।
माँ तेरी शान कभी न झुकने दूंगा ।।

जो कुछ तूने सहा, उसे कभी मिटा न सकूंगा ।
माँ तेरी सेवा में हमेशा कर्तव्यनिष्ठ रहूँगा ।।

राम राज्य सा देश फिर से बनाऊँगा ।
माँ मेरे जिंदा रहते कभी आंच न आने दूंगा ।।

जन्मदायिनी ममतामयी तेरी शान हमेशा सजाऊंगा
माँ! मेरे जिंदा रहते कभी आंच न आने दूंगा ।।

मेरी माँ की वो आँखें

श्रीमती सुमिता
पत्नी, कैप्टन एस.आर. पट्टनायक

नहीं भूल पाते,
तेरी आखिरी
दर्द में लिपटी वो आँखें ।

किसी के तलाश में तरसती हुई वो आँखें
हमको देख खुशी की वो आँखें ।।

नहीं भूल पाते
हमारी शरारतों को देख,
ताकती हुई वो आँखें ।

चोरी-छुपी बातों को,
पकड़ लेने की वो आँखें ।।

नहीं भूल पाते
हमारी गीली आँखें देख,
काँपता हुआ, छलछलाती वो आँखें
फिर हमारे दो होठों को,
खिलखिलाने की कोशिश में,
शरारत भरी वो आँखें ।।

नहीं भूल पाते
हमको खोने की दर्द में,
सहमी हुई तकलीफों से भरी हुई वो आँखें ।
फिर अपने दर्द से हमे दूर रखने की कोशिश भरी
छुपाती हुई वो आँखें ।।

भारत की नई शिक्षा नीति

(एमआरपीएल द्वारा आयोजित 'निबंध लेखन' प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार से पुरस्कृत)

प्रदीप कुमार कर
वरिष्ठ उप मुख्य लेखा अधिकारी

प्रस्तावना :

भारत की प्रथम शिक्षा नीति का गठन 24 जुलाई 1968 में किया गया था जिसमें राष्ट्रीय एकता और समाजवाद का प्रतिबिंब मुख्य था। दूसरी बार 1986 में शिक्षा नीति में बदलाव किया गया था।

उचित शिक्षा प्राप्त करना भारतीय संविधान के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति का जन्मगत अधिकार है। सुखी और आत्मनिर्भर जीवन जीने के लिए बच्चे के विकास में शिक्षा बेहद महत्वपूर्ण तत्व है। पुरानी शिक्षा नीति जो सिर्फ मार्कशीट तक सीमित थी जिसे बदलने के लिए 2016 में भारत सरकार ने नई शिक्षा नीति पर कार्य करना शुरू किया और लगभग तीन सालों के मेहनत और दूरदर्शिता के बाद नई शिक्षा नीति 29 जुलाई 2020 में केन्द्रीय सरकार द्वारा नई शिक्षा नीति को मंजूरी दी गई। शिक्षा नीति में यह बदलाव 34 वर्षों के बाद किया गया लेकिन बदलाव जरूरी था और समय की जरूरत के अनुसार यह पहले ही हो जाना चाहिए था। पुरानी शिक्षा नीति में विद्यार्थियों की क्रिएटिविटी खत्म हो रही थी और मानसिक तनाव भी बढ़ रहा था इसलिए नई शिक्षा नीति जरूरी हो गयी थी।

नई शिक्षा नीति का नजरिया :

नई शिक्षा नीति पहले की राष्ट्रीय शिक्षा नीति का पुर्नमूल्यांकन है। यह नई संरचनात्मक रूपरेखा द्वारा शिक्षा की संपूर्ण प्रणाली का परिवर्तन है। नई शिक्षा नीति में रखी गई दृष्टि प्रणाली को एक उच्च उत्साही और ऊर्जावान नीति में बदल रही है। शिक्षार्थी को उत्तरदायी, कुशल और आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास होना चाहिए।

नई शिक्षा नीति के मार्ग की चुनौतियां :

नई शिक्षा नीति के तहत 3 से 6 वर्षो के बच्चों को शुरूआती पढ़ाई देने के लिए नए प्रशिक्षण केन्द्र बनाने पड़ेंगे क्योंकि अंगनवाड़ी की समर्थता बेहद कम होती है, इस नई शिक्षा नीति में व्यवसायिक ज्ञान को भी शामिल किया गया है। इस नई शिक्षा नीति को सफल होने में समय लग सकता है। इसके प्रयासों में बड़े समय तथा साधनों की आवश्यकता होगी। इसे सफल बनाने के लिए अनुभवी तथा क्रियात्मक शिक्षकों की आवश्यकता होगी जिनकी गुणवत्ता को पहचानना एक मुख्य काम तथा चुनौती होगी।

नई शिक्षा नीति 2020 में विद्यार्थियों को तकनीकी सक्षमता प्रदान करने का प्रावधान है लेकिन जो विद्यार्थी आर्थिक रूप से सक्षम नहीं है उनके लिए यह बहुत बड़ी चुनौती होगी।

नई शिक्षा नीति 2020 की मुख्य विशेषताएं :

1. नई शिक्षा नीति के अंतर्गत कुल बजट का 6% लगाने का प्रावधान है।
2. किसी भी बच्चे को अनुभव के आधार पर पहले सीख कर पढ़ने पर जोर दिया गया है।
3. इस नीति के तहत शुरूआती पढ़ाई मातृभाषा और स्थानीय भाषा में देने का नियम बनाया गया है।
4. दिव्यांगों की शिक्षा के लिए तकनीक के उपयोग पर और अधिक जोर दिया गया है।
5. पुराने पाठ्यक्रम में कमी करके अनुभव के साथ और व्यवसायिक शिक्षा पर जोर दिया गया है।

6. इस नई नीति में विद्यार्थियों के लिए स्किल डेवलपमेंट तथा इंटर्नशिप का प्रावधान है।

शिक्षकों की शिक्षा और भर्ती :

शिक्षकों के लिए 4 वर्षीय एकीकृत बी.एड़. कार्यक्रम को अनिवार्य बना दिया। विभिन्न शिक्षण सहायक सामग्री के संबंध में शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए कार्यशालाएं आयोजित की जानी चाहिए। शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता होनी चाहिए क्योंकि छात्रों के विकास के लिए एक शिक्षक ही केंद्रीकृत भूमिका में हैं।

विद्यालय शिक्षा में परिवर्तन :

1. फाउंडेशन स्टेज: इसमें तीन साल की प्री-स्कूलिंग अवधि शामिल है।
2. प्रारंभिक चरण: यह 8-11 वर्ष की आयु के साथ कक्षा 3-5 तक शामिल है।
3. मध्य चरण: यह 11-14 वर्ष की आयु के साथ, कक्षा 6-8 तक शामिल है।
4. माध्यमिक चरण: यह 14-19 वर्ष की आयु के साथ, कक्षा 9-12 तक शामिल है। इस चार वर्षों को बहु-विषयक अध्ययन के लिए विकल्प के साथ जोडा जाएगा। अब केवल एक अनुशासन में अध्ययन करना आवश्यक नहीं होगा। छात्रों को केवल तीन बार यानी कक्षा 3, कक्षा 5, और कक्षा 8वीं में परीक्षाएं देनी होगी। ''परख'' निकाय की स्थापना की जाएगी जो छात्रों के प्रदर्शन का आकलन करेगा।

उच्च शिक्षा में परिवर्तन :

1. स्नातक कार्यक्रम एक लचीले निकास के साथ 4 साल का कार्यक्रम होगा जिसमें एक वर्ष का पाठ्यक्रम समाप्त कर लेने के बाद छात्र को प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा, इसके अलावा 2 वर्ष समाप्त कर लेने के बाद डिप्लोमा की डिग्री, स्नातक की डिग्री, 3 वर्ष के बाद और 4 वर्ष पूरा कर लेने पर शोध कार्य और अध्ययन किए गए विषय से संबंधित खोज के साथ एकीकृत किया जाएगा।
2. विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को धन और वित्त प्रदान करने के लिए उच्च शिक्षा अनुदान परिषद् रहेगी। यह एआईसीटीई और यूजीसी की जगह लेगा।
3. मास्टर ऑफ फिलोसफी पाठ्यक्रम बंद कर दिया जायेगा क्योंकि यह पीएचडी के बीच एक मध्यवर्ती पाठ्यक्रम था।
4. अनुसंधान और नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन विकसित किया जाना है।
5. विदेशी विश्वविद्यालय के परिसर हमारे देश में और उनके देश में हमारे परिसर स्थापित करेंगे।

ई-शिक्षा नीति के लाभ :

1. यह सीखनेवाले की आत्म-क्षमता, संज्ञानात्मक कौशल पर जोर देता है। यह एक बच्चे को अपनी प्रतिभा विकसित करने में मदद करेगा यदि वे जन्मजात प्रतिभावान हैं तो।

2. पहले छात्रों के पास अध्ययन के लिए केवल एक ही विषय चुनने का विकल्प था, लेकिन अब अलग-अलग विषय चुन सकते हैं, उदाहरण के लिए

गणित के साथ-साथ कला और शिल्प का भी विकल्प चुन सकते है।

3. हर विषय पर समान रूप से व्यवहार करने पर जोर दिया गया है।
4. इस नीति का मुख्य उद्देश्य छात्रों के बीच नवीन विचारों के समावेश के साथ सहभागिता, महत्वपूर्ण सोच और तर्क करने की क्षमता को विकसित करना है।
5. स्नातक पाठ्यक्रमों में कई निकास विकल्प छात्रों को अनुभव से लाभान्वित करने और इस बीच कहीं काम करने से कौशल प्राप्त करने और फिर बाद में जारी रखने का अवसर प्रदान करेंगे।
6. नई शिक्षा नीति किसी भी विषय को सीखने के व्यावहारिक पहलू पर केंद्रित है, क्योंकि यह अवधारणा को समझने का एक बेहतर तरीका माना जाता है।
7. 2040 तक सभी संस्थान और उच्च शिक्षण संस्थान बहु-विषयक बन जाएंगे।
8. नई शिक्षा नीति सामान्य बातचीत, समूह चर्चा और तर्क द्वारा बच्चों के विकास और उनके सीखने की अनुमति देता है।

नई शिक्षा नीति का नुकसान :

भाषा का कार्यान्वयन यानि क्षेत्रीय भाषाओं में जारी रखने के लिए 5वीं कक्षा तक पढ़ाने एक बड़ी समस्या हो सकती है। बच्चों को क्षेत्रीय भाषा में पढ़ाया जाएगा और इसलिए अंग्रेजी भाषा के प्रति कम दृष्टिकोण होगा, जो 5वीं कक्षा पूरा करने के बाद आवश्यक है। बच्चें को संरचनात्मक तरीके से सीखने के अधीन किया गया है, जिससे उनके छोटे दिमाग पर बोझ बढ़ सकता है।

उपसंहार :

मौजूदा शिक्षा नीति में बदलाव की आवश्यकता थी जिसे 1986 में लागू किया गया था। परिणामस्वरूप परिवर्तन नई शिक्षा नीति का ही नतीज़ा है। नीति में कई सकारात्मक विशेषताएं है, लेकिन इसे केवल सख्ती से ही हासिल किया जा सकता है। लेआउट के लिए केवल विचार काम नहीं करेगा बल्कि कार्यों को कुशलता से करना होगा।

नई शिक्षा नीति कई उपक्रमों के साथ रखी गई है जो वास्तव में वर्तमान परिदृश्य की जरूरत है। नीति का संबंध अध्ययन पाठ्यक्रम के साथ कौशल विकास पर ध्यान देना है। किसी भी चीज के सपने देखने से वह काम नहीं करेगा, क्योंकि उचित योजना और उसके अनुसार काम करने से केवल उद्देश्य पूरा करने में मदद मिलेगी। जितनी जल्दी एनआईपी के उद्देश्य प्राप्त होंगे, उतना ही जल्दी हमारा राष्ट्र प्रगति की ओर अग्रसर करेगा। ■

> "राष्ट्रीय व्यवहार में हिन्दी को काम में लाना देश की उन्नति के लिए आवश्यक है।"
>
> **महात्मा गांधी**

कैसा हो घर का वास्तु

कैप्टन शैलेन्द्र कुमार
हार्बर मास्टर

घर चाहे कैसा भी हो,
उसके एक कोने में;
खुलकर हंसने की जगह रखना ।
सूरज कितना भी दूर हो,
उसको घर आने का रास्ता देना ।।

कभी कभी छत पर चढ़कर,
तारे अवश्य गिनना,
हो सके तो हाथ बढ़ाकर –
चांद को छूने की कोशिश करना ।

अगर हो लोगों से मिलना जुलना ।
तो घर के पास पड़ोस जरूर रखना ।।

भीगने देना बारिश में,
उछल कूद भी करने देना,
हो सके तो बच्चों को –
एक कागज की किश्ती चलाने देना ।

कभी हो फुरसत, आसमान भी साफ हो,
तो एक पतंग आसमान में चढ़ाना ।
हो सके तो एक छोटा सा पेंच भी लड़ाना ।।

घर के सामने रखना एक पेड़,
उस पर बैठे पक्षियों की –
बातें अवश्य सुनना।
घर चाहे कैसा भी हो,
घर के एक कोने में;
खुलकर हंसने की जगह रखना ।।

चाहे जिधर से गुजरिए।
मीठी सी हलचल मचा दीजिए ।।

उम्र का 'हर एक दौर' मज़ेदार है ।
अपनी 'उम्र' का मज़ा लीजिए ।।

ज़िंदादिल रहिए जनाब !
ये चेहरे पे उदासी कैसी ?
वक्त तो बीत ही रहा है ...
'उम्र की ऐसी की तैसी' !

जंगल बनाओ धरती बचाओ

मास्टर सुप्रतीक कर
कक्षा-4
सुपुत्र श्री प्रदीप कर
वरि. उप मुख्य लेखा अधिकारी

जंगल बनाओ जंगल बनाओ
हरे-भरे पेड़-पौधे उगाओ।

पशु-पक्षियों का घर और भोजन है जंगल
पेड़-पौधे उगाने ही होता है वायुमंडल का मंगल।

जंगल में आनंद से घूमते हैं पशु-पक्षी
भोजन में करते हैं छोटे कीट और फल-पत्ती।

पेड़ की मदद मालूम होती है छाया और हवा से
जंगल है तो समय पर बारिश बचाए होती धरती से।

जंगल है तो मिलते मुफ्त छाया रास्ते पर जाने यात्री को
फल-फूल की महक करते आनंद धरती मां को।

पेड़-पौधे हैं तो बचाते बाढ़ से धरती को
प्रदूषण हटाके जीवन बचाते पशु, प्राणियों को।

जंगल है तो आक्सीजन मुफ्त में मिलती है
आक्सीजन की कीमत हम को कोरोना याद दिलाता है।

जंगल बनाना मनुष्य का एक संकल्प बनाना है
बिना जंगल में जीवन बचाना एक संघर्ष है।

अतर राष्ट्रीय वन दिवस 21 मार्च को मनाना है
जंगल का महत्व भावी पीढ़ियों को संतुलन कराना है।

हम सबको पेड़ लगाके जंगल बनाना है
बाढ़ प्रदूषण से धरती को बचाना है।।

जागो भारत जागो

अरुण कुमार
संविदा कर्मचारी

जागो भारत जागो,
अपनी शक्ति को पहचानो।

युवाओं का सैलाब हैं जहाँ,
ज्ञान का आधार हैं जहाँ।

हर देश की शान हैं भारत के नाम,
हर देश में बैठा हैं भारतीय आवाम।

चंद नारों से तुम मत उबलो,
बस राष्ट्र धर्म में रचो बसो।

नेता आएगा नेता जाएगा,
देश तो बस लोकतंत्र ही चलाएगा।

समझो दुश्मन के इरादों को,
मत दो ख़ुशी उन अवसरवादों को।

एक थे हम एक हैं हम
कुचलो हमें अगर है दम।।

"हृदय की कोई भाषा नहीं है,
हृदय-हृदय से बातचीत करता है
और हिंदी हृदय की भाषा है।"

▪ महात्मा गांधी

सबका साथ, सबका विकास
एक भारत, श्रेष्ठ भारत

अरुण कुमार
संविदा कर्मचारी

देश के विकास में हम बन गए हैं बाधा,
क्यूंकि हमने देश को जात -पात में हैं बाँटा।

ऐ ईश्वर के बन्दे, तू चला तेरी माया,
कर दे, हर देशवासी की, एक ही काया।
दल आते हैं, दल जाते हैं,
नये-नये ख्वाबों का, चोला पहने हमे रिझाते हैं।

बदलता नहीं हैं एक ही मंज़र,
देशवासियों का नीला समंदर।

हमें होना होगा जल सा विलय,
तब ही संभव हैं, संसार पर विजय।
एकता का महत्व हमें ना बताओ,
हम वो हैं जो कई धर्मो में रचे बसे हैं।

चंद मूर्खो ने मेरे देश को असहिष्णु क्या कह दिया,
तुमने मेरे देशवासियों को कमजोर समझ लिया।

एकता का डंका ऐसा बजेगा,
हर एक घर में भारत माँ का बेटा जन्मेगा।

तब मेरे राष्ट्र का मुकाबला कौन करेगा,
कौन ढाई सौ करोड़ बाजुओं से लड़ेगा।
डरपोक हैं वो जो खतरों से भागते हैं,
जो मेरे देश को बाँटे, वही कायर कहे जाते हैं।

हिम्मत नहीं हैं उनमे, कि वो हमे एक होता देख सकें,
डरते हैं वो भारत की आवाम से।

इसलिए अक्सर हममें फूट डालना चाहते हैं,
है यह एक अखंड नारा।

सबका साथ, सबका विकास हमारा ।
एक भारत, श्रेष्ठ भारत हमारा ।।

भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का इतिहास व महत्त्व

अरुण कुमार
संविदा कर्मचारी

भारतीय राष्ट्रिय ध्वज हमारी स्वाधीनता का प्रतीक है। देश में अपना ध्वज लहराने का मतलब है कि वो देश आजाद है. आजादी के बाद पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु ने कहा था 'राष्ट्रीय ध्वज सिर्फ हमारी स्वतंत्रता नहीं है, बल्कि ये देश की समस्त जनता की स्वतंत्रता का प्रतीक है।' भारतीय कानून के अनुसार राष्ट्रीय ध्वज खादी के कपड़े का होना चाहिए। शुरुआत में राष्ट्रीय ध्वज का इस्तेमाल आम नागरिकों द्वारा सिर्फ राष्ट्रीय दिवस जैसे स्वतंत्रता दिवस व गणतन्त्र दिवस को ही होता था, बाकी के दिनों में वे उसको नहीं फहरा सकते थे। लेकिन कुछ समय के बाद यूनियन कैबिनेट ने इसमें बदलाव किया और आम नागरिकों द्वारा इसके उपयोग को शुरू कर दिया गया।

भारतीय राष्ट्रीय ध्वज को सभी लोग 'तिरंगा' नाम से जानते है, इसका मतलब है तीन रंग। तीनों कलर समतलीय एक बराबर हिस्सों में बटे हुए होते है। सबसे उपर केसरिया, उसके नीचे सफ़ेद व सबसे नीचे हरा रंग होता है। तिरंगा की चोडाई व लम्बाई 2:3 अनुपात में होती है। तिरंगा के बीच में सफ़ेद रंग के उपर नीले रंग का अशोक चक्र होता है, जिसमें 24 धारियां होती है।

भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का महत्व

हमारा राष्ट्रीय ध्वज हमारे देश की संस्कृति, सभ्यता और इतिहास को दर्शाता है। हवा में लहराता हुआ हमारा राष्ट्रीय ध्वज हमारे देश की स्वतंत्रता को प्रदर्शित करता है। यह हमारा ध्वज हमारे देश के नागरिकों की स्वतंत्रता के साथ-साथ अंग्रेजों के अत्याचार से मुक्त हो होने पर अपना एवं अपने देशवासियों का गौरवयुक्त अभिमान है। हमारे राष्ट्रीय ध्वज में तीन महत्वपूर्ण है, इसलिए है, जो हमारे देश की अखंडता, एकता और वीरता को दर्शाता है। हमें गर्व है, कि हम एक ऐसे देश के वजह से जहां पर वीरों और महापुरुषों ने जन्म लिया।

तिरंगा के तीनों रंगों का विस्तार से विवरण

केसरिया – केसरिया रंग तिरंगे में सबसे उपर होता है, यह साहस, निस्वार्थता व शक्ति का प्रतीक है ।

सफ़ेद – तिरंगा में सफ़ेद रंग सच्चाई, शांति व पवित्रता का प्रतीक है. यह रंग देश में सुख-शांति की उपयोगिता को दर्शाता है ।

हरा – हरा रंग विश्वास, शिष्टता, वृद्धि व हरी भरी भूमि की उर्वरता का प्रतीक है। यह समृद्धि व जीवन को दर्शाता है ।

अशोक चक्र – इसे धर्म चक्र भी कहते है। नीले रंग का अशोक चक्र तीसरी शताब्दी में सम्राट अशोक द्वारा बनाया गया था. जिसे तिरंगा में बीच में लगाया गया है, इसमें 24 धारियां होती है । अशोक चक्र जीवन के गतिशील होने को दर्शाता है, इसका न होना मतलब म्रत्यु है ।

भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का इतिहास

राष्ट्रीय ध्वज स्वतंत्रता के लिए, भारत की लम्बी लड़ाई व राष्ट्रीय खजाना का प्रतिनिधित्व करता है. यह स्वतंत्र भारत के गणतंत्र का प्रतीक है. देश आजाद होने के कुछ दिन पूर्व 22 जुलाई 1947

को स्वतंत्र भारत के संविधान को लेकर एक सभा आयोजित की गई थी, जहाँ पर पहली बार राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा को सबके सामने प्रस्तुत किया गया। इसके बाद 15 अगस्त 1947 से 26 जनवरी 1950 तक राष्ट्रीय ध्वज को भारत के अधिराज्य के रूप में प्रस्तुत किया गया. 1950 में संविधान लागु होने पर इसे स्वतंत्र गणतंत्र का राष्ट्रीय ध्वज घोषित किया गया. राष्ट्रीय ध्वज को पिंगली वेंक्कया द्वारा बनाया गया था।

भारत के सभी राष्ट्रीय ध्वजों का इतिहास

1904-06 – भारत के राष्ट्रीय ध्वज का इतिहास आजादी के पहले से जुड़ा हुआ है. 1904 -06 के आसपास पहली बार राष्ट्रीय ध्वज लोगो के सामने आया था। उस समय इसे स्वामी विवेकानंद की आयरिश शिष्या सिस्टर निवेदिता ने बनाया था। कुछ समय बाद इस ध्वज को सिस्टर निवेदिता ध्वज कहा जाने लगा। इस ध्वज का रंग पीला व लाल था। जिसमें लाल रंग आजादी की लड़ाई व पीला रंग जीत का प्रतीक था। इस पर बंगाली भाषा में 'वोंदे मातोरम' जिसका अर्थ वंदेमातरम् है लिखा गया था। इस पर भगवान इंद्र का शस्त्र वज्र व सेफ कमल का चित्र भी बनाया गया था। वज्र ताकत व कमल पवित्रता का प्रतीक था।

1906 – सिस्टर निवेदिता की रचना के बाद 1906 में एक बार फिर नए ध्वज का निर्माण हुआ. इसमें तीन रंग समाहित थे, सबसे उपर नीला फिर पीला व सबसे नीचे लाल रंग था। इसमें सबसे उपर नीली पट्टी में 8 अलग अलग तरह के सितारे बने हुए थे. सबसे नीचे की लाल पट्टी में एक ओर सूर्य व दूसरी ओर आधा चन्द्रमा व एक तारा बना हुआ था. पिली पट्टी में देवनागरी लिपि से वंदेमातरम् लिखा गया था।

इसी साल इस ध्वज में थोडा बदलाव किया गया, इसमें तीन रंग ही थे, लेकिन उन रंगों को बदल दिया गया। इसमें केसरिया, पीला व हरा रंग था, जिसे कलकत्ता ध्वज कहा गया। इसमें सबसे उपर 8 आधे खिले हुए कमल बनाये गए थे, इसलिए इसे कमल ध्वज भी नाम दिया गया। इसे सचिन्द्र प्रसाद बोस व सुकुमार मित्रा ने बनाया था। इस ध्वज को 7 अगस्त 1906 में कलकत्ता के पारसी बागन चौराहे पर सुरेन्द्रनाथ बैनर्जी द्वारा फ़हराया गया था। उस समय बंगाल का विभाजन हुआ था, उसी के विरोध में ये प्रदर्शन किया गया था।

1907 – 1907 में इसमें मैडम भिकाजी कामा, विनायक दामोदर सावरकर व् श्यामजी कृष्णा वर्मा द्वारा फिर बदलाव किये गए। इसे मैडम भिकाजी कामा ध्वज भी कहा गया। 22 अगस्त 1907 में मैडम भिकाजी कामा द्वारा इस ध्वज को जर्मनी में फ़हराया गया था। ऐसा पहली बार था, जब भारतीय ध्वज को देश के बाहर विदेशी जमीन पर फ़हराया गया था। इस समारोह के बाद इसे 'बर्लिन कमेटी ध्वज' भी कहा गया। इस ध्वज में सबसे उपर हरा बीच में केसरिया व सबसे नीचे लाल रंग था।

1916 – 1916 में पिंगली वेंकय्या नाम के लेखक ने एक ध्वज बनाया, जिसमें पूरे देश को साथ लेकर चलने की उनकी सोच साफ झलक रही थी। वे महात्मा गाँधी से भी मिली और उनकी राय ली। गांधीजी ने उनको उसमें चरखा भी जोड़ने की बात कही। पिंगली ने पहली बार ध्वज को खादी के कपड़े से बनाया था। इसमें 2 रंग लाल व हरे रंग से बनाया गया व बीच में चरखा भी बनाया गया। इस ध्वज को महात्मा गाँधी ने देख कर नकार दिया, उनका कहना था लाल रंग हिन्दू व हरा रंग मुस्लिम जाति का प्रतीक है। इस ध्वज से देश एकजुट नहीं प्रतीत होता है।

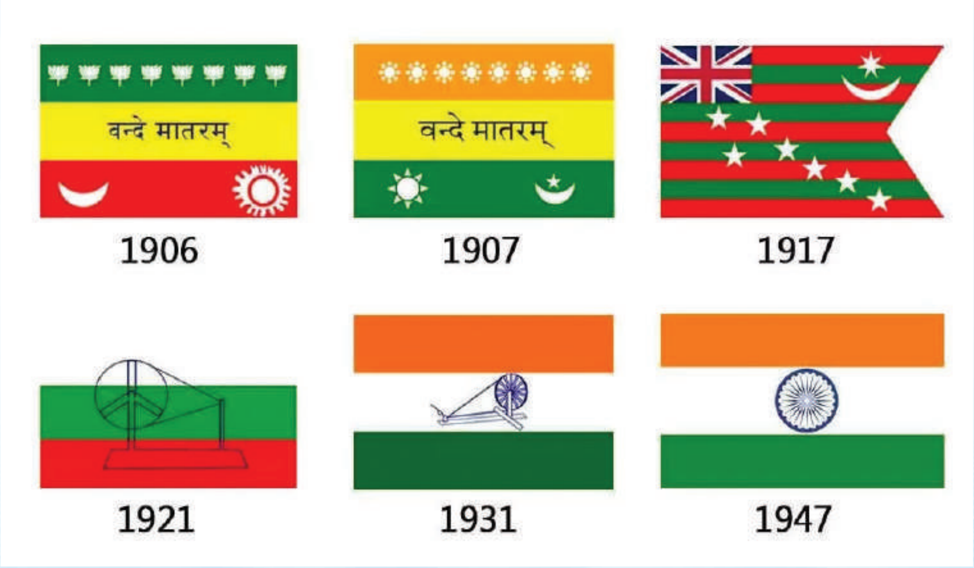

1917 – 1917 में बाल गंगाधर तिलक ने नए ध्वज को राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाया। इस ध्वज पर सबसे उपर यूरोपियन देश का झंडा भी जुड़ा हुआ था, बाकी जगह में 5 लाल व 5 नीली लाइनें थी। इसमें 7 स्टार जिसे सप्तऋषि कहते हैं, हिन्दुओं की धार्मिकता को दर्शाने के लिए बनाये गए। इसमें अर्द्धचन्द्रमा व एक तारा भी बनाया गया था।

1921 – महात्मा गाँधी चाहते थे कि भारत के राष्ट्रीय ध्वज में देश की एक जुटता साफ साफ झलके, इस वजह से एक ध्वज का निर्माण किया गया। इस ध्वज में भी 3 रंग थे, सबसे उपर सफ़ेद फिर हरा आखिरी में लाल। इस ध्वज में सफ़ेद रंग देश के अल्पसंख्यक, हरा रंग मुस्लिम जाति व लाल रंग हिन्दू और सिख जाति को दर्शाता था। बीच में चरखा भी जोड़ा गया, जो सारी जाति की एकजुटता को दर्शाता था। इस ध्वज को कांग्रेस पार्टी ने नहीं अपनाया, लेकिन फिर भी ये आजादी की लड़ाई में राष्ट्रीयता का प्रतीक बना हुआ था।

1931 – ध्वज में साम्प्रदायिक व्याख्या से कुछ लोग बहुत नाराज थे। इन्ही सब बातों को ध्यान में रखते हुए ध्वज में लाल रंग को गेरू कर दिया गया। ये रंग हिन्दू मुस्लिम दोनों जाति को प्रकट करता है। लेकिन इसके बाद सिख जाति के लोगो ने राष्ट्रीय ध्वज में अपनी जाति को प्रकट करने के लिए एक अलग मांग की। इसके फलस्वरूप पिंगली ने एक नया ध्वज बनाया, जिसमें सबसे उपर केसरिया फिर सफ़ेद अंत में हरा रंग था। इसमें बीच में सफ़ेद के उपर नीले रंग का चरखा था। 1931 में कांग्रेस पार्टी की मीटिंग में इसे पास कर दिया गया, जिसके बाद ये कांग्रेस का आधिकारिक ध्वज बन गया।

1947 – वर्ष 1947 में जब देश आजाद हुआ, तब देश के प्रथम राष्ट्रपति व कमेटी प्रमुख राजेन्द्र प्रसाद जी ने राष्ट्रीय ध्वज के बारे में बात करने के लिए एक सभा बुलाई। वहां सबने एक मत होकर कांग्रेस से उनका ध्वज लेने की बात मानी। 1931 में बनाये गए उस ध्वज में बदलाव के साथ उसे अपनाया गया। बीच में चरखे की जगह अशोक चक्र ने ली। इस प्रकार अपने देश का राष्ट्रीय ध्वज तैयार हो गया।

ध्वज का निर्माण कार्य

ब्यूरो ऑफ़ इंडियन स्टैण्डर्ड (BIS) ने ध्वज के निर्माण के लिए मानक निर्धारित किया। उन्होंने उसके निर्माण से जुड़ी हर छोटी बड़ी बात जैसे उसका कपड़ा, धागा, रंग उसका अनुपात सब कुछ नियम के अनुसार निर्धारित किया, यहाँ तक कि उसके फहराने से जुड़ी बातें भी नियम में लिखी गईं।

राष्ट्रीय ध्वज से जुड़ी कुछ जरुरी बातें

यह एक राष्ट्रीय प्रतीक है, जिसका सम्मान हर भारतीय करता है। राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान से जुड़ी कुछ बातें आम आदमी को हमेशा याद रखनी चाहिए –

जब राष्ट्रीय ध्वज उठाया जाए, तब हमेशा ध्यान रखें केसरिया रंग सबसे उपर हो।

कोई भी ध्वज या प्रतीक राष्ट्रीय ध्वज के उपर नहीं होना चाहिए।

अगर कोई और ध्वज फहराये जा रहे हैं, तो वे हमेशा इसके बायीं ओर पंक्ति में फहराये जाएं।

अगर कोई जुलुस या परेड निकल रही हो, तो राष्ट्रीय ध्वज दाहिने ओर होना चाहिए या फिर बाकि ध्वजों की पंक्ति में बीच में होना चाहिए।

राष्ट्रीय ध्वज हमेशा मुख्य सरकारी इमारत व संस्थान जैसे राष्ट्रपति भवन, संसद भवन, उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय आदि में फहराया हुआ होना चाहिए।

राष्ट्रीय ध्वज को किसी भी निजी व्यवसाय या काम के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

राष्ट्रीय ध्वज शाम को सूर्यास्त के समय उतार देना चाहिए।

रोचक तथ्य

राष्ट्रीय ध्वज को 29 मई 1953 में दुनिया के सबसे ऊँचे पर्वत माउंट एवेरेस्ट पर फ़हराया गया था।

मैडम भीखाजी कामा पहली इन्सान है, जिन्होंने राष्ट्रीय ध्वज को विदेशी जमीन पर फ़हराया था।

1984 में राकेश शर्मा द्वारा इसे अंतरिक्ष में फ़हराया गया।

दिसम्बर 2014 में चेन्नई में 50 हजार लोगो ने राष्ट्रीय ध्वज बनाकर एक रिकॉर्ड कायम किया।

दिल्ली के सेंट्रल पार्क में सबसे ऊँचा राष्ट्रीय ध्वज फ़हराया गया, जिसकी लम्बाई 90 फीट व चौड़ाई 60 फीट थी।

■

पत्तन में वर्ष के दौरान आयोजित गतिविधियां

एनएमपीए ने चौथे क्रूज जहाज का स्वागत किया:

एनएमपीए ने क्रूज़ सीज़न के चौथे क्रूज़ जहाज, द वर्ल्ड का स्वागत किया। 123 यात्रियों और 280 चालक दल के सदस्यों को ले जाने वाला जहाज, बर्थ संख्या 04 पर तीन दिनों तक पत्तन में ठहराया गया। अध्यक्ष, एनएमपीए ने क्रूज जहाज के मास्टर को बधाई दी। जहाज के मास्टर कैप्टन डैग सैविक ने अपने यात्रियों और कर्मचारियों की ओर से अध्यक्ष को उनके मनोरंजन के लिए इस तरह के सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए धन्यवाद दिया और सराहना की। क्रूज यात्रियों के मनोरंजन के लिए पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा तीनों दिनों में क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हुए रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की व्यवस्था की गई। द वर्ल्ड क्रूज जहाज 15 जनवरी 2023 को 21:30 बजे अपनी अगली यात्रा पर रवाना हुआ।

स्वच्छ और हरित पत्तन की प्रतिबद्धता के तहत एनएमपीए के अध्यक्ष ने नई इलेक्ट्रिक कार को हरी झंडी दिखाई:

अध्यक्ष एनएमपीए डॉ. ए.वी. रमणा के दूरदर्शी नेतृत्व में, पत्तन स्वच्छता और हरियाली को प्राथमिकता देकर पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता जारी रखता है। इस प्रयास की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति में, 25 जनवरी, 2023 को अध्यक्ष द्वारा उपाध्यक्ष की विशिष्ट उपस्थिति में एक नई इलेक्ट्रिक कार को औपचारिक रूप से हरी झंडी दिखाई गई। यह पर्यावरण-अनुकूल पहल कार्बन उत्सर्जन को कम करने और अपने संचालन के भीतर पर्यावरण-जागरूक प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए एनएमपीए के समर्पण को रेखांकित करती है।

पत्तन में 74वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया:

26 जनवरी 2023 को एनएमपीए में 74वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। अध्यक्ष ने पत्तन में 74वें गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। अध्यक्ष, एनएमपीए ने बाद में परेड दल की समीक्षा की जिसमें एनएमपीए सीआईएसएफ इकाई, अग्निशमन सेवा, केंद्रीय विद्यालय और अंग्रेजी माध्यम स्कूल से भारत स्काउट्स और गाइड और निजी सुरक्षा सेवा इकाई शामिल थी। परेड दल के पेरेड के बाद, एनएमपीए के अध्यक्ष ने सभा को संबोधित किया। उत्सव के दौरान कर्मचारियों, सीआईएसएफ और पुलिस कर्मियों और स्कूली बच्चों को क्रमशः खेल, अनुकरणीय सेवा और उच्चतम अंक प्राप्तांक की श्रेणियों के तहत पुरस्कार वितरित किए गए। सीआईएसएफ एनएमपीए यूनिट ने गणतंत्र दिवस समारोह में शानदार मार्शल आर्ट तकनीक और मूक राइफल ड्रिल का प्रदर्शन किया और अपने कौशल से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। एनएमपीए अंग्रेजी और कन्नड़ मीडियम स्कूलों और केंद्रीय विद्यालय नंबर 1 के स्कूली बच्चों द्वारा देश के लोगों की देशभक्ति, विविधता और सांस्कृतिक मूल्यों को दर्शाते हुए विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

कर्नाटक के माननीय राज्यपाल ने नव मंगलूर पत्तन का दौरा किया:

नव मंगलूर पत्तन प्राधिकरण ने 02.02.2023 को पत्तन की यात्रा पर कर्नाटक के माननीय राज्यपाल श्री थावर चंद गहलोत का गर्मजोशी से स्वागत किया। एनएमपीए के अध्यक्ष, डॉ. ए.वी. रमणा, श्री के. जी.नाथ, उपाध्यक्ष ने कर्नाटक के माननीय राज्यपाल श्री थावर चंद गहलोत का एनएमपीए में स्वागत किया। पत्तन में माननीय राज्यपाल के स्वागत के लिए श्रीनिवास विश्वविद्यालय के कॉलेज के छात्रों द्वारा एक मधुर स्वागत गीत गाया गया। अध्यक्ष, एनएमपीए ने माननीय राज्यपाल को पत्तन द्वारा उपयोग की गई कई बुनियादी ढांचागत और तकनीकी प्रगति के बारे में अवगत कराया। माननीय राज्यपाल ने व्यापार करने में आसानी के तहत एक पहल, पत्तन में मौजूदा तुला-माप को स्वचालित, मानव रहित तुला-माप में अपग्रेड करने की परियोजना का वर्चुअली उद्घाटन किया। माननीय राज्यपाल ने इतने गर्मजोशी से स्वागत के लिए आभार व्यक्त किया।

52वां राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह:

04 मार्च से 10 मार्च 2023 के बीच पत्तन में 52वां राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह '**हमारा लक्ष्य, शून्य हानि**' थीम के तहत मनाया गया। यातायात प्रबंधक (प्रभारी) और डॉक सुरक्षा निरीक्षणालय के सहायक निदेशक द्वारा परिचालन क्षेत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामय उपस्थिति में पत्तन कर्मचारियों को सुरक्षा शपथ दिलाई गई। 52वें राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह का समापन समारोह 10 मार्च 2023 को पत्तन में आयोजित किया गया। अध्यक्ष, एनएमपीए ने समारोह की अध्यक्षता की और श्री के.जी. नंजप्पा, अपर निदेशक कारखाना और बॉयलर और औद्योगिक सुरक्षा और स्वास्थ्य, कर्नाटक सरकार समारोह के मुख्य अतिथि थे। सभी सुरक्षा मानदंडों का विधिवत पालन करते हुए कार्गो के सुरक्षित संचालन के लिए पत्तन उपयोगकर्ताओं और हितधारकों को प्रशस्ति पत्र दिए गए। पत्तन में सुरक्षा सप्ताह के दौरान कार्यस्थल पर सुरक्षा को बढ़ावा देने के मद्देनजर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में जीत हासिल करने के लिए पत्तन के कर्मचारियों को पुरस्कार दिए गए।

नव मंगलूर पत्तन नॉर्वेजियन क्रूज़ लाइन्स एमएस नॉटिका का स्वागत किया:

मौजूदा सीज़न का पांचवां क्रूज जहाज एमएस नॉटिका 07 फरवरी 2023 को सुबह 0600 बजे एनएमपीए में पहुंचा। 550 यात्रियों और 400 चालक दल को ले जाने वाले जहाज में बर्थ संख्या 04 के बगल में बर्थ की। जहाज की कुल लंबाई 180.5 मीटर है, जिसकी वहन क्षमता 30,277 सकल टन भार और 6.0 मीटर का ड्राफ्ट है। माले (मालदीव) के रास्ते में जहाज मस्कत से भारत आया और पहले मुंबई और मुरगांव पत्तन में रुका। यात्रियों का यक्षगान और पारंपरिक ढोल (चंढे) जैसे पारंपरिक लोकगीतों के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया गया। क्रूज़ यात्रियों के सुखद अनुभव के लिए विभिन्न व्यवस्थाएँ की गईं जैसे; यात्रियों की मेडिकल स्क्रीनिंग, त्वरित आवाजाही के लिए आव्रजन और सीमा शुल्क काउंटर, मंगलूर शहर और उसके आसपास स्थानीय बाजार और दुकानों पर जाने वाले यात्रियों के लिए 02 शटल बसों सहित 15 कोच के बस, टैक्सियां, पर्यटक वैन। क्रूज़ यात्रियों ने क्रूज़ लाउंज के अंदर आयुष विभाग द्वारा स्थापित ध्यान केंद्र का भी लाभ उठाया। पर्यटकों के लिए कपड़े और हस्तशिल्प की दुकानें भी खुली रखी गईं।

आज़ादी का अमृत महोत्सव:

आज़ादी का अमृत महोत्सव की स्मृति में, 18 मार्च, 2023 को पत्तन में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जो स्वतंत्रता और वीरता की भावना को दर्शाता है। श्रद्धेय स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन पर आधारित एक मनोरम फिल्म की स्क्रीनिंग से पत्तन का सभागार जीवंत हो उठा। यह विशेष सिनेमाई प्रस्तुति विशेष रूप से हमारे युवा दिमागों के ज्ञान और प्रेरणा के लिए तैयार की गई, क्योंकि स्कूली बच्चे हमारे देश के इतिहास को आकार देने वाले साहस और बलिदान की कहानियों को देखने के लिए एकत्र हुए। इन ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों का उद्देश्य न केवल कर्मचारियों को शिक्षित करना है बल्कि गंभीर चिकित्सा आपात स्थितियों के दौरान प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया करने के लिए आवश्यक अमूल्य ज्ञान और तकनीकों से लैस करना भी है।

माननीय पत्तन, परिवहन एवं जलमार्ग और पर्यटन राज्य मंत्री श्री श्रीपाद येसो नाइक ने नव मंगलूर पत्तन का दौरा किया:

माननीय पत्तन, परिवहन और जलमार्ग और पर्यटन राज्य मंत्री ने 20 मार्च 2023 को नव मंगलूर पत्तन का दौरा किया। पत्तन में आगमन पर, एनएमपीए के अध्यक्ष, डॉ. ए.वी. रमणा, श्री के.जी. नाथ, उपाध्यक्ष द्वारा पत्तन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ माननीय मंत्री का स्वागत किया गया। माननीय मंत्री ने एक टग बोट के माध्यम से पत्तन के बर्थ संचालन और विभिन्न बुनियादी सुविधाओं का निरीक्षण किया। एनएमपीए के उपाध्यक्ष ने मंत्री को पत्तन द्वारा प्राप्त कई बुनियादी ढांचागत और तकनीकी प्रगति के बारे में अवगत कराया। माननीय मंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त की और पर्यावरण के अनुकूल अत्याधुनिक सुविधाओं और विकासात्मक कार्यों और विभिन्न बुनियादी सुविधाओं को लाने के लिए पत्तन की विभिन्न पहलों की सराहना की।

छठा क्रूज जहाज सिल्वर स्पिरिट एनएमपीए पहुंचा:

मौजूदा सीज़न का छठा क्रूज जहाज सिल्वर स्पिरिट 21.03.2023 को 497 यात्रियों और 411 चालक दल के सदस्यों को लेकर पत्तन में पहुंचा। जहाज की कुल लंबाई 210.70 मीटर थी, जिसकी वहन क्षमता 39,444 सकल टन भार और 6.60 मीटर का ड्राफ्ट था। जहाज का आखिरी पत्तन कोचीन पत्तन था और मंगलूर से रवाना होने के बाद जहाज मुरगांव पत्तन के लिए रवाना होगा। यात्रियों का क्षेत्रीय संस्कृति को दर्शाते हुए गर्मजोशी से पारंपरिक स्वागत किया गया। क्रूज़ यात्रियों के सुखद अनुभव के लिए विभिन्न व्यवस्थाएँ की गईं जैसे; यात्रियों की मेडिकल स्क्रीनिंग, तेज आवाजाही के लिए कई आव्रजन और सीमा शुल्क काउंटर, मंगलूर शहर और उसके आसपास स्थानीय बाजार और दुकानों पर जाने वाले यात्रियों के लिए 02 शटल बसों सहित 25 कोच वाली बस, टैक्सियां, पर्यटक वैन, आयुष विभाग द्वारा ध्यान केंद्र, कपड़े और हस्तशिल्प आउटलेट। विशेष आकर्षण के रूप में पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एक सेल्फी स्टैंड स्थापित किया गया था, जो भारत की क्षेत्रीय संस्कृति को दर्शाता है। यात्रियों ने विभिन्न पर्यटन स्थलों, मंदिर और चर्च, स्मारकों आदि का दर्शन किया। मंगलूर की अपनी यात्रा की याद में, जब क्रूज़ यात्री अपने जहाज पर वापस जा रहे थे तो उन्हें स्मृति चिह्न दिए गए।

एनएमपीए ने वित्त वर्ष 2022-23 में 41.41 एमएमटी कार्गो हासिल किया:

वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान, एनएमपीए ने 41.41 एमएमटी कार्गो की हैंडलिंग की, जिसमें 5.40% की वृद्धि दर्ज की गई, जो कि कोविड महामारी के आने के बाद एक नई उपलब्धि है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान मशीनीकृत कंटेनर संचालन के सफल कार्यान्वयन के बाद पत्तन ने 8.55% की वृद्धि के साथ अब तक का सबसे अधिक 1.65 लाख टीईयू कंटेनर का वॉल्यूम हासिल किया।

पत्तन में डॉ.बी.आर.अंबेडकर की 132वीं जयंती मनाई गई:

डॉ.ए.वी.रमणा, अध्यक्ष,एनएमपीए ने भारतीय संविधान के जनक को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर विभागों के प्रमुख, मंडल के सदस्य, अनुसूचित जाति/जनजाति संघों के पदाधिकारी और कर्मचारी उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए उपस्थित थे।

नव मंगलूर पत्तन ने पहली सीधी मेनलाइन कंटेनर सेवा का स्वागत किया:

14.04.2023 को अध्यक्ष, एनएमपीए ने जेएसडब्ल्यू-एमसीटीपीएल, सीएमए-सीजीएम, एनएमपीए और पत्तन उपयोगकर्ता अधिकारियों की उपस्थिति में कंटेनर जहाज एमवी होंग एएन को हरी झंडी दिखाकर कंटेनर संचालन के मशीनीकरण के बाद नव मंगलूर पत्तन से पहली सीधी मेनलाइन सेवा का उद्घाटन किया। जहाज चटगांव से कोलंबो होते हुए पहुंचा जो न्हावा शेवा और मुंद्रा पत्तन के रास्ते मध्य पूर्व की ओर जाएगा। नियमित सेवा जहाज चटगांव-कोलंबो- मंगलुरु - न्हावा शेवा - मुंद्रा; और जेबेल अली-खलीफा पत्तन तक पूर्व की ओर जाने वाले मार्ग के बीच चलेगी। यह नई सेवा कर्नाटक से विशेष रूप से कृषि उत्पादों के निर्यात को बड़ा बढ़ावा देगी।

राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह का आयोजन:

पत्तन में 14.04.2023 को अग्निशमन कर्मियों द्वारा उनकी सेवा में दिए गए बलिदान की स्मृति में राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस मनाया गया। डॉ. ए.वी. रमणा,अध्यक्ष, एनएमपीए ने समारोह की अध्यक्षता की और उन अग्निशमन कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए शहीद स्तंभ पर पुष्पांजलि अर्पित की, जिन्होंने अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी थी। अध्यक्ष ने अपने संबोधन में अग्निशमन कर्मियों द्वारा जीवन, संपत्तियों को बचाने में दिए गए बलिदान को याद किया और उनकी सेवा में अग्निशमन कर्मियों के समर्पण और वफादारी की सराहना की। उन्होंने कहा कि समाज किसी भी घटना में अग्निशमन कर्मियों को देखता है चाहे वह छोटे से जानवर का बचाव हो या आग की बड़ी घटनाएं। अध्यक्ष ने जानवरों और साथी नागरिकों को बचाने में अनुशासन, साहस, समर्पण और दया की भी सराहना की। उन्होंने पत्तनों, तेल उद्योगों, रिफाइनरियों और स्वचालित अग्निशमन प्रणाली के उपयोग जैसे संगठनों के लिए उन्नत अग्निशमन प्रणाली की आवश्यकता पर बल दिया।

मौके पर उपाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी, मंडल के सदस्य, अधिकारी और पत्तन के कर्मचारी भी मौजूद थे और उन्होंने शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि अर्पित की। अंत में पत्तन के समुद्री विभाग की अग्निशमन सेवा टीम ने इस अवसर पर उपस्थित दर्शकों के लिए विभिन्न प्रकार की आग, आग से बचाव आदि को संभालने में अपने त्रुटिहीन कौशल का प्रदर्शन किया।

एनएमपीए ने 60वां राष्ट्रीय समुद्री दिवस मनाया:

एनएमपीए ने 05 मई 2023 को 60वां राष्ट्रीय समुद्री दिवस मनाया। श्री के जी नाथ, उपाध्यक्ष ने पत्तन परिसर में नाविकों के स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की और इस अवसर पर राष्ट्रीय समुद्री ध्वज फहराया। डॉ. सीए.ए.राघवेंद्र राव, कुलपति, श्रीनिवास विश्वविद्यालय, मंगलूर समारोह के मुख्य अतिथि थे। समारोह में, मंडल के सदस्य, पत्तन उपयोगकर्ता, हितधारक, अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। उपाध्यक्ष ने पत्तन क्राफ्ट से औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर प्राप्त किया। पत्तन क्राफ्ट और पत्तन के सभी जहाजों को इस अवसर के लिए तैयार किया गया था और ध्वज फहराने के दौरान राष्ट्रीय समुद्री दिवस का सम्मान करने के लिए सायरन बजाया गया। इस अवसर के दौरान पत्तन क्राफ्ट पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का प्रदर्शन किया गया जो एक अनूठा था। श्री के. जी. नाथ, उपाध्यक्ष, एनएमपीए और मुख्य अतिथि डॉ.सीए ए.राघवेंद्र राव, श्रीनिवास विश्वविद्यालय के चांसलर ने इस अवसर पर सभा को संबोधित किया। राष्ट्रीय समुद्री सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार दिए गए।

श्री अनिर्बान कुमार, उप निदेशक, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिनांक 13.06.2023 को नव मंगलूर पत्तन प्राधिकरण के निरीक्षण के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु एक संवाद सत्र आयोजित किया गया।

क्रूज अवधि का आखिरी जहाज नव मंगलूर पत्तन पहुंचा:

एनएमपीए ने 22 मई 2023 को 08:30 बजे वर्तमान अवधि के अंतिम और आठवें क्रूज पोत नॉटिका का स्वागत किया। जहाज 550 यात्रियों और 400 चालक दल के सदस्यों को बर्थ सं.04 के साथ लेकर पत्तन पर पहुंचा। जहाज से उतरते समय पारंपरिक ड्रम के संगीत के साथ क्रूज यात्रियों का स्वागत किया गया। विभिन्न व्यवस्थाएँ उपलब्ध कराई गईं जैसे, क्रूज यात्रियों के सुखद अनुभव और मनोरंजन के लिए मेडिकल स्क्रीनिंग, मल्टीपल इमिग्रेशन और कस्टम काउंटर, मंगलूर और उसके आसपास के विभिन्न स्थानों के भ्रमण के लिए परिवहन, ध्यान केंद्र, कपड़े और हस्तकला आउटलेट, सेल्फी पॉइंट, भरतनाट्यम और सांस्कृतिक नृत्य प्रदर्शन की भी व्यवस्था की गई थी। पत्तन इंफ्रास्ट्रक्चर और आसपास के विभिन्न पर्यटन क्षेत्रों के बारे में दृश्य जानकारी प्रदर्शित करने वाली एक एलईडी स्क्रीन स्थापित की गई थी। यात्रियों की सुविधा के लिए पहली बार पत्तन द्वारा टैबलेट के माध्यम से ऑनलाइन फीडबैक एकत्र करने की प्रणाली शुरू की गई। मंगलूर की अपनी यात्रा की याद में, क्रूज यात्रियों को स्मृति चिह्न दिए गए, जब वे अपने जहाज पर वापस जा रहे थे। पर्यटकों ने सांस्कृतिक प्रदर्शन को पसंद किया और उनकी यात्रा पर पत्तन के गर्मजोशी भरे स्वागत की सराहना की।

एनएमपीए ने पत्तन उपयोगकर्ताओं को 2022-23 के दौरान पत्तन संचालन में उत्कृष्टता के लिए सम्मानित किया:

एनएमपीए ने वर्ष 2022-23 के दौरान पत्तन उपयोगकर्ताओं की अनुकरणीय उपलब्धियों को सम्मानित करने और प्रशंसा के लिए वार्षिक पुरस्कार रात्रि का आयोजन किया। प्रतिष्ठित कार्यक्रम 29 मई, 2023 को शाम 06:00 बजे होटल ताज विवांता, मंगलूर में हुआ।

श्री श्रीपद येसो नाइक, माननीय राज्य मंत्री, पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग तथा पर्यटन इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। मंच पर अन्य गणमान्य व्यक्ति डॉ. ए.वी.रमणा, अध्यक्ष, एनएमपीए श्री आर. मुरुगराज, आईआरटीएस मुख्य माल परिवहन प्रबंधक, दक्षिण रेलवे, श्री इमामुद्दीन अहमद, आयुक्त सीमा शुल्क मंगलूर और श्री के.जी.नाथ, उपाध्यक्ष, एनएमपीए उपस्थिति थे। वार्षिक पुरस्कार रात्रि का उद्घाटन सभी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। अध्यक्ष ने स्वागत भाषण में हितधारकों के योगदान की सराहना की और कार्य श्रेष्ठता प्राप्त करने के लिए सभी पत्तन उपयोगकर्ताओं को उनके निरंतर समर्थन, समर्पण और योगदान के लिए ईमानदारी से सराहना की। माननीय मंत्री निर्यातकों और आयातकों, संरक्षकों, पत्तन अधिकारियों, कर्मचारी संघों, पीपीपी ऑपरेटरों, स्टीवडोर्स और शिपिंग एजेंटों की पूरी टीम को बधाई दी, जिनके संयुक्त प्रयास के परिणामस्वरूप 41.42 एमएमटी कार्गो यातयात हासिल हुआ और कहा कि वार्षिक पुरस्कार रात्रि नव मंगलूर पत्तन और समग्र रूप से समुद्री उद्योग के विकास को आगे बढ़ाने में सहयोगात्मक भावना और सामूहिक प्रयासों का एक वसीयत है ।

श्री श्रीपाद येसो नाइक माननीय राज्य मंत्री, पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग और पर्यटन के साथ-साथ अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने विभिन्न श्रेणी के तहत हितधारकों जैसे, कार्गो हैंडलिंग, स्टीवडोरिंग, स्टीमर एजेंट्स, एनएलपी प्लेटफॉर्म यूजर्स, सपोर्ट सर्विस प्रोवाइडर्स, क्रूज और आथित्य सेवा प्रदाताओं को सर्वश्रेष्ठ निष्पादन के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए।

नव मंगलूर पत्तन ने मनाया 09वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस:

21 जून 2023 को 9वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया। एनएमपीए के अध्यक्ष डॉ. ए.वी. रमणा ने समारोह की अध्यक्षता की और श्री के.जी. नाथ, उपाध्यक्ष, श्री पद्मनाभाचार, मुख्य सतर्कता अधिकारी विशिष्टि अतिथि थे। कार्यक्रम की शुरुआत श्री के.जी. नाथ, उपाध्यक्ष के स्वागत भाषण से हुई, जिन्होंने योग का अभ्यास करने के कई लाभों और शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर इसके सकारात्मक प्रभाव के बारे में बात की। उन्होंने इस विशेष दिन को अपनी दिनचर्या में योगाभ्यास को शामिल करने का भी आग्रह किया।

अध्यक्ष ने अपने अध्यक्षीय भाषण में 9वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर उपस्थित लोगों को शुभकामनाएं दीं और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने में योग के महत्व और इसकी भूमिका पर बल दिया। योग गुरु डॉ. जगदीश शेट्टी ने प्रतिभागियों को योग आसन (मुद्रा), प्राणायाम (साँस लेने के व्यायाम), और ध्यान तकनीकों की एक श्रृंखला के माध्यम से नेतृत्व किया। प्रतिभागियों ने योग के कायाकल्प प्रभावों का अनुभव किया क्योंकि उन्होंने अपने शारीरिक लचीलेपन, मानसिक स्पष्टता और समग्र कल्याण को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया।

माननीय केंद्रीय मत्स्य, पशुपालन और डेयरी मंत्री ने नव मंगलूर पत्तन का दौरा किया:

माननीय केंद्रीय मत्स्य, पशुपालन और डेयरी मंत्री, श्री परषोत्तम रूपाला ने 08 जून 2023 को नव मंगलूर पत्तन का दौरा किया। एनएमपीए के अध्यक्ष डॉ. ए.वी. रमणा ने श्री के.जी. नाथ, उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ पत्तन में माननीय मंत्री का स्वागत किया। बाद में मंत्री को पत्तन संचालन और उपलब्ध विभिन्न बुनियादी सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई। माननीय मंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय क्रूज़ लाउंज का भी दौरा किया और विभिन्न उपलब्ध सुविधाओं का अनुभव किया। एनएमपीए के अध्यक्ष ने मंत्री को पत्तन द्वारा प्राप्त कई बुनियादी ढांचागत और तकनीकी प्रगति के बारे में अवगत कराया। माननीय मंत्री ने अपनी प्रसन्नता व्यक्त की और पर्यावरण के अनुकूल अत्याधुनिक सुविधाओं, विकासात्मक कार्यों और विभिन्न बुनियादी सुविधाओं को लाने के लिए पत्तन की विभिन्न पहलों की सराहना की।

एनएमपीए ने स्थिरता और संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता के साथ विश्व पर्यावरण दिवस मनाया:

एनएमपीए ने 05 जून 2023 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया, जो जागरूकता बढ़ाने और पृथ्वी की सुरक्षा प्रोत्साहित करने के लिए समर्पित दिन है। एनएमपीए के अध्यक्ष डॉ. ए.वी. रमणा ने मुख्य अतिथि डॉ. रवि, पर्यावरण अधिकारी, कर्नाटक राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, मंगलूर और विशिष्टि अतिथि, श्री केजी नाथ, उपाध्यक्ष एनएमपीए की उपस्थिति में कार्यक्रम का उद्घाटन किया। केएसपीसीबी के पर्यावरण अधिकारी डॉ. रवि ने मिशन लाइफ पर पर्यावरण की रक्षा की दिशा में एक पहल प्रस्तुत की। उन्होंने एकल उपयोग वाले प्लास्टिक के इस्तेमाल पर संयम बरतने का आह्वान किया, जिसका पर्यावरण पर सबसे अधिक प्रभाव पड़ रहा है। अध्यक्ष, एनएमपीए ने अपने अध्यक्षीय भाषण में मानव जाति द्वारा पर्यावरण को पहुंचाए गए नुकसान का उल्लेख किया और पर्यावरण प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए मजबूत कानून प्रवर्तन का आह्वान किया। उन्होंने यह कहते हुए अपनी खुशी और गर्व व्यक्त किया कि सरकार की हरित पहल के तहत, पत्तन वर्तमान में 86% कार्गो को यांत्रिक रूप से संभाल रहा है जो बिजली से संचालित होते हैं, जिससे कार्बन उत्सर्जन को अधिकतम सीमा तक नियंत्रित किया जाता है, पत्तन पूरी तरह से सौर ऊर्जा संचालित आत्मनिर्भर पत्तन है इसकी खपत के लिए बिजली पैदा करना, उपयोग के लिए पत्तन में वर्षा जल संचयन करना, प्रकाश व्यवस्था को एलईडी में बदलना और ऊर्जा बचाना, इलेक्ट्रिक वाहन शुरू करना, अपशिष्ट प्रबंधन के लिए वर्मी-कम्पोस्ट इकाई, सीवेज उपचार संयंत्र।

एनएमपीए ने अपने हितधारकों के लिए समुद्री प्रतिकूलता पर एक कार्यशाला का आयोजन किया:

पत्तन ने 02.06.2023 को अपने हितधारकों के लिए समुद्री प्रतिकूलता पर एक अत्यधिक जानकारीपूर्ण और व्यावहारिक कार्यशाला आयोजित की। एनएमपीए के अध्यक्ष डॉ. ए.वी. रमणा ने श्री पी.के. मिश्रा, डीआइजी, भारतीय तटरक्षक, कर्नाटक, श्री केजी नाथ, उपाध्यक्ष, एनएमपीए और कैप्टन एसआर पटनायक, उप. संरक्षक, एनएमपीए की उपस्थिति में कार्यशाला का उद्घाटन किया। कार्यशाला में दो विषय विशेषज्ञ, कैप्टन एल.के. पांडा, समुद्री सलाहकार, भारत सरकार और डॉ. आरडी त्रिपाठी, सलाहकार, आईपीए समुद्री प्रतिकूलताओं की विभिन्न संभावनाओं और स्थितियों और उस पर प्रतिक्रिया देने के तंत्र पर संबोधित किया। कार्यशाला में जबरदस्त भागीदारी हुई और समुद्री समुदाय के सभी हितधारकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, जिन्होंने अपनी जागरूकता बढ़ाने के लिए कार्यशाला आयोजित करने की पहल की सराहना की।

पत्तन ने 20,479 टीईयू संभालने का नया रिकॉर्ड बनाया:

पत्तन ने अपने टर्मिनल ऑपरेटर जेएसडब्ल्यू-मंगलूर कंटेनर टर्मिनल के साथ जुलाई 2023 में 20,479 टीईयू को संभालने का नया रिकॉर्ड बनाया और जुलाई 2022 में निर्धारित 17,553 टीईयू के पिछले आंकड़े को तोड़ दिया। यह पत्तन के सक्रिय नीति मध्यवर्तन और पीपीपी ऑपरेटर की बेहतर उत्पादकता से संभव हुआ।

केंद्रीय सचिवालय के प्रशिक्षुओं ने एनएमपीए का दौरा किया:

केंद्रीय सचिवालय के भीतर अवर सचिवों के लिए तैयार किए गए इसके व्यापक सीएसएस/सीटीपी प्रशिक्षण कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, 24 जुलाई, 2023 को पत्तन की एक आकर्षक यात्रा का आयोजन किया गया था। पत्तन के अध्यक्ष डॉ. ए.वी. रमणा ने पत्तन में पहुंचने पर उपस्थित अधिकारियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। यह दौरा केवल एक दौरा नहीं था, बल्कि अधिकारियों के लिए डॉ. रमणा द्वारा आयोजित संवादात्मक सत्रों में भाग लेने का एक आकर्षक अवसर था। व्यावहारिक प्रदर्शन और अंतर्दृष्टिपूर्ण चर्चाओं का यह अनूठा मिश्रण इन समर्पित सिविल सेवकों की पेशेवर यात्रा को समृद्ध करने, राष्ट्र के गतिशील परिदृश्य के भीतर शासन और प्रशासन की गहरी समझ को बढ़ावा देने का वादा करता है।

आईपीएस अधिकारी प्रशिक्षुओं ने एनएमपीए का दौरा किया:

22 आईपीएस अधिकारी प्रशिक्षुओं का ऊर्जस्वी समूह नव मंगलूर पत्तन में पहुंचा। 21 जुलाई, 2023 को इतिहास रचा गया जब कानून और व्यवस्था के ये भावी संरक्षक पत्तन के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक दिलचस्प इंटरैक्टिव सत्र में शामिल हुए। प्रशिक्षुओं ने हमारे देश के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की जटिल कार्यप्रणाली की गहरी सराहना की। इस तरह की पहल एक प्रकाशस्तंभ के रूप में काम करती है, इन महत्वाकांक्षी अधिकारियों के लिए मार्ग को रोशन करती है क्योंकि वे न्याय को बनाए रखने और हमारे समाज की सुरक्षा के अपने नेक प्रयास में उत्कृष्टता की ओर बढ़ रहे हैं।

पत्तन में सद्भावना दिवस मनाया गया:

पत्तन में 20 अगस्त, 2023 को सद्भावना दिवस मनाया गया। इस दिन को मनाने के लिए एनएमपीए के अध्यक्ष ने पत्तन के उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को त्रिभाषी शपथ दिलाई। देश में प्रत्येक वर्ष 20 अगस्त को पूर्व प्रधान मंत्री स्वर्गीय श्री राजीव गांधी की जयंती सद्भावना दिवस के रूप में मनाई जाती है। सद्भावना का विषय सभी धर्मों, भाषाओं और क्षेत्रों के लोगों के बीच राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देना है। इस दिन को मनाने के पीछे का विचार हिंसा से बचना और लोगों के बीच सद्भावना को बढ़ावा देना है।

एनएमपीए में 100 फीट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज मस्तूल का उद्घाटन:

77वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर एनएमपीए के अध्यक्ष ने 100 फीट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज मस्तूल का उद्घाटन किया, जो यूएस माल्या द्वार के सामने स्थित है। राष्ट्रीय राजमार्ग 66 के निकट स्थापित राष्ट्रीय ध्वज मस्तूल इस क्षेत्र के सबसे ऊंचे ध्वज मस्तूलों में से एक है और यह राष्ट्रीय राजमार्ग से यात्रा करने वाले सभी लोगों को आसानी से दिखाई देता है।

एनएमपीए ने मनाया 77वां स्वतंत्रता दिवस:

एनएमपीए ने देश के समृद्ध इतिहास और प्रगति और समृद्धि की दिशा में इसकी यात्रा का जश्न मनाते हुए 77वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। एनएमपीए के अध्यक्ष डॉ. ए.वी. रमणा ने श्री के.जी. नाथ, उपाध्यक्ष और श्री पद्मनाभाचार, मुख्य सतर्कता अधिकारी के साथ समारोह की अध्यक्षता की। पत्तन के अधिकारियों, कर्मचारियों, हितधारकों, स्कूली बच्चों और स्थानीय समुदाय ने एकता और राष्ट्रवाद की भावना से भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत पत्तन के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ अध्यक्ष द्वारा पत्तन परिसर में महात्मा गांधी, डॉ. बी.आर. अंबेडकर और यूएस माल्या की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण के साथ हुई। इसके बाद सीआईएसएफ कर्मियों, एनएमपीए अग्निशमन सेवा, स्काउट्स एंड गाइड्स और पत्तन के निजी सुरक्षा बल की परेड टुकड़ी की समीक्षा की गई। अध्यक्ष ने इस अवसर पर सभा को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं और भारत की आज़ादी के लिए अथक संघर्ष करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद किया। उन्होंने अपने अध्यक्षीय भाषण के दौरान आज़ादी के बाद से महा पत्तनों सहित विभिन्न क्षेत्रों में देश के विविध विकास पर प्रकाश डाला।

एनएमपीए ने अभियंता दिवस मनाया:

एनएमपीए ने 15 सितंबर 2023 को अभियंता दिवस मनाया, एनएमपीए के अध्यक्ष ने उत्सव का उद्घाटन किया और श्री एम. विश्वेश्वरैया और इंजीनियरिंग पेशेवरों के अथक समर्पण और सरलता का सम्मान किया, जिन्होंने राष्ट्र के विकास और सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस अवसर पर, नव मंगलूर पत्तन के अध्यक्ष ने इलेक्ट्रिक कारों के एक नए बेड़े का शुभारंभ किया, जो एक हरित, टिकाऊ भविष्य की दिशा में एक बड़ी कदम है। अब पत्तन के पास 11 कारों और 2 इलेक्ट्रिक बसों का बेड़ा है।

इस्पात मंत्रालय के सचिव ने नव मंगलूर पत्तन का दौरा किया:

श्री नागेंद्र नाथ सिन्हा, आईएएस, सचिव, इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार ने 08 सितंबर 2023 को नव मंगलूर पत्तन प्राधिकरण का दौरा किया। नव मंगलूर पत्तन प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. ए.वी. रमणा, इस्पात मंत्रालय के माननीय सचिव ने क्रूज़ टर्मिनल का दौरा किया और पत्तन के विभिन्न बुनियादी ढांचे के पहलुओं पर पत्तन के अधिकारियों के साथ बैठक की और नव मंगलूर में केआईओसीएल द्वारा लौह अयस्क फाइन/कच्चे माल के आयात और लौह अयस्क छर्रों के निर्यात के लिए हैंडलिंग सुविधाओं की समीक्षा की। एनएमपीए के अध्यक्ष ने इस्पात मंत्रालय के सचिव को पत्तन की योजनाओं के साथ-साथ व्यापार करने में आसानी, ग्रीन पोर्ट पहल आदि को बढ़ाने के लिए की गई कई पहलों, भविष्य के विस्तार कार्यक्रमों, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और अन्य प्रस्तावों के बारे में जानकारी दी।

गांधी जयंती मनाई गई :

एनएमपीए ने 02 अक्टूबर 2023 को महात्मा गांधी जयंती की 154वीं जयंती मनाई। अध्यक्ष, एनएमपीए ने महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद सभी पत्तन अधिकारियों, कर्मचारियों ने एनएमपीए बाजार क्षेत्र में सफाई अभियान में भाग लिया।

राष्ट्रीय एकता दिवस:

नव मंगलूर पत्तन ने 31 अक्टूबर 2023 को सरदार वल्लभभाई पटेल की एकता, अखंडता और ताकत की विरासत के सम्मान में एकजुट होकर राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया। एनएमपीए के अध्यक्ष ने पत्तन के कर्मचारियों को अखंडता की शपथ दिलाई। प्रतिज्ञा के बाद अध्यक्ष, एनएमपीए ने इस अवसर पर आयोजित एक जीवंत वॉकथॉन को हरी झंडी दिखाई। अधिकारियों, बोर्ड के सदस्यों, कर्मचारियों ने एकजुटता, ताकत और सद्भाव के प्रतीक सरदार वल्लभभाई पटेल के दृष्टिकोण को अपनाते हुए वॉकथॉन में भाग लिया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह–2023:

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2023 पत्तन में 30 अक्टूबर से 5 नवंबर, 2023 तक भ्रष्टाचार को ना कहें; राष्ट्र के लिए प्रतिबद्ध थीम के साथ मनाया गया। अखंडता और पारदर्शिता की खोज में और दैनिक जीवन में सतर्कता के महत्व को बढ़ावा देने के लिए एनएमपीए के अध्यक्ष ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत 30 अक्टूबर से 5 नवंबर 2023 तक संगठन के भीतर और बाहर विषय से संबंधित गतिविधियों की श्रृंखला आयोजित की 30 अक्टूबर 2023 को कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा दिलाई गई। इसके बाद 30 अक्टूबर 2023 को पत्तन के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए प्रणालीगत सुधारों की पहचान और कार्यान्वयन पर मुख्य सतर्कता अधिकारी, एनएमपीए द्वारा हस्ताक्षर अभियान और प्रस्तुति दी गई।

23वां ग्रीनटेक पर्यावरण पुरस्कार 2023:

प्रशंसा और तालियों की गड़गड़ाहट के बीच, एनएमपीए ने प्रतिष्ठित 23वां ग्रीनटेक पर्यावरण पुरस्कार 2023 जीतकर प्रतिष्ठित पर्यावरण उत्कृष्टता श्रेणी में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया है! यह शानदार जीत एक टिकाऊ कल के लिए रास्ता बनाने की दिशा में टीम एनएमपीए के अटूट समर्पण और अथक प्रयासों का प्रमाण है। उनके अथक प्रयासों ने न केवल पहचान हासिल की है, बल्कि हमें स्वच्छ, हरित भविष्य की ओर भी प्रेरित किया है। आइए, टीम एनएमपीए की उल्लेखनीय उपलब्धियों की सराहना करने और इस उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए एकजुट होकर अपनी आवाज उठाएं क्योंकि हम पर्यावरण प्रबंधन और उत्कृष्टता की दिशा में अपनी यात्रा जारी रख रहे हैं।

वैश्विक समुद्री भारत शिखर सम्मेलन 2023:

बहुप्रतीक्षित ग्लोबल मैरीटाइम इंडिया समिट 2023 (जीएमआईएस 2023) आधिकारिक तौर पर 17 से 19 अक्टूबर तक मुंबई के हलचल भरे शहर में शुरू हुआ, जिसमें दुनिया भर के प्रमुख हितधारकों, उद्योग जगत के नेताओं और विशेषज्ञों को समुद्री क्षेत्र के भविष्य का चार्ट बनाने के लिए एक साथ लाया गया। इस तीन दिवसीय शिखर सम्मेलन में व्यावहारिक सत्र, पैनल चर्चा, प्रदर्शनियां और नेटवर्किंग के अवसर शामिल थे, जिसका उद्देश्य आगे आने वाली चुनौतियों और अवसरों का समाधान करना था। नव मंगलूर पत्तन ने शिखर सम्मेलन के दौरान विभिन्न सत्रों और पैनल चर्चाओं में भी भाग लिया, जिसमें स्थायी बंदरगाह संचालन, डिजिटलीकरण और वैश्विक व्यापार में बंदरगाहों की भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया गया। पत्तन ने रु.8,437.00 करोड़ रुपये के आठ एमओयू का आदान-प्रदान किया। शिखर सम्मेलन में से पत्तन और उससे जुड़े बुनियादी ढांचे के विकास और विस्तार का मार्ग प्रशस्त होगा।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2023 का समापन:

सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन समारोह 7 नवंबर, 2023 को बीडीसी सभागार में हुआ, जिसमें सम्मानित अतिथि और वक्ता शामिल हुए। भारत के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश, माननीय न्यायमूर्ति एन. संतोष हेगड़े, डॉ. ए.वी. रमणा, एनएमपीए के अध्यक्ष के साथ मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए। और डॉ. सुभाष चंद्र खुंटिया, आईएएस (सेवानिवृत्त), सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे। श्री पद्मनाभचार के, आईओएफएस, मुख्य सतर्कता अधिकारी, एनएमपीए ने उपस्थित लोगों का गर्मजोशी से स्वागत किया और न्यायमूर्ति एन. संतोष हेगड़े ने एनएमपीए के ऑनलाइन शिकायत पोर्टल का उद्घाटन किया। एनएमपीए के अध्यक्ष ने कम उम्र से ही बच्चों में नैतिक मूल्यों को स्थापित करने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए संगठनात्मक और सामाजिक विकास के लिए नैतिक जीवन के महत्व पर जोर दिया। न्यायमूर्ति एन संतोष हेगड़े ने युवा पीढ़ी की सुरक्षा और भविष्य के लिए भ्रष्टाचार मुक्त समाज के महत्व को रेखांकित किया, लालच और भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए सामूहिक प्रयास का आग्रह किया। यह कार्यक्रम भ्रष्टाचार विरोधी जागरूकता को बढ़ावा देने वाले एक सांस्कृतिक कार्यक्रम और विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण के साथ संपन्न हुआ। एनएमपीए के सतर्कता विभाग ने भ्रष्टाचार विरोधी जागरूकता का संदेश फैलाने के लिए रेत कला और एक नृत्य कार्यक्रम सहित नवीन पहलों का प्रदर्शन किया।

एनएमपीए ने कर्नाटक राज्योत्सव मनाया:

एनएमपीए के अध्यक्ष ने कर्नाटक राज्योत्सव यानी राज्य स्थापना दिवस की स्मृति में गर्व से राज्य ध्वज फहराया। एकजुटता और सांस्कृतिक प्रशंसा के प्रदर्शन में, पत्तन ने कर्नाटक की संस्कृति, विविधता और प्रगति का आनंद लेने के लिए एनएमपी कन्नड़ संघ के साथ सहयोग किया, जो एकता के सार का प्रतीक है। इस उत्सव में कर्नाटक की शानदार विरासत को अपनाया गया, इसकी परंपराओं और उपलब्धियों की समृद्ध टेपेस्ट्री को श्रद्धांजलि दी गई। अध्यक्ष ने पत्तन में राज्योत्सव उत्सव के दौरान राज्य की भावना को प्रतिबिंबित करते हुए कन्नड़ में एक प्रेरक भाषण दिया। यह कार्यक्रम हमारी संस्कृति, विरासत और प्रगति की चल रही यात्रा के लिए एक जीवंत सम्मान था, जो सभी प्रतिभागियों के बीच एकता और गौरव की भावना का पोषण करती है। 1 नवंबर, 2023 को आयोजित उत्सव, कर्नाटक के गौरवान्वित निवासियों के रूप में हमारी साझा पहचान और सामूहिक आकांक्षाओं की एक याद दिलाता है।

एकता को बढ़ावा: क़ौमी एकता सप्ताह

क़ौमी एकता सप्ताह की स्मृति में, 19 नवंबर, 2023 को एनएमपीए के अध्यक्ष ने सभी पत्तन कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता शपथ दिलाकर एक महत्वपूर्ण अवसर का नेतृत्व किया। क़ौमी एकता सप्ताह जाति, पंथ और धर्म की बाधाओं को पार करते हुए राष्ट्रीय एकता और अखंडता के महत्व की एक मार्मिक याद दिलाता है। अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा ली गई शपथ ने देशभक्ति की भावना को बनाए रखने और राष्ट्र की एकता और अखंडता में योगदान देने की उनकी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

पत्तन ने संविधान दिवस मनाया:

पत्तन ने 26 नवंबर 2023 को अध्यक्ष के नेतृत्व में संविधान दिवस मनाया, जब उन्होंने संविधान की प्रस्तावना पढ़ी तो एक मार्मिक क्षण सामने आया, जो राष्ट्र का मार्गदर्शन करने वाले मूलभूत सिद्धांतों के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रतीक है। संविधान दिवस का विशेष महत्व है क्योंकि यह भारतीय संविधान को अपनाने का प्रतीक है, एक दस्तावेज जो हमारे विविध राष्ट्र की सामूहिक आकांक्षाओं और आदर्शों का प्रतीक है। प्रस्तावना को एक साथ पढ़कर, नव मंगलूर पत्तन के कर्मचारियों ने न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के संवैधानिक मूल्यों के प्रति अपनी निष्ठा की पुष्टि की।

एनएमपीए ने सभी महा पत्तन वॉलीबॉल और तटीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट 2023 की मेजबानी की:

एनएमपीए के अध्यक्ष, डॉ. ए.वी. रमणा ने 17 दिसंबर 2023 को नव मंगलूर पत्तन क्रीड़ा परिषद(एनएमपीएससी) द्वारा आयोजित अखिल भारतीय महा पत्तन वॉलीबॉल और तटीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट 2023 का उद्घाटन किया। तीन दिवसीय टूर्नामेंट में मुंबई, चेन्नई, पारादीप, वी.ओ. चिदंबरनार, पारादीप, मुरगांव, कोचीन और नव मंगलूर जैसे प्रमुख पत्तनों का प्रतिनिधित्व करने वाली आठ टीमों ने वॉलीबॉल और बीच वॉलीबॉल दोनों श्रेणियों में शीर्ष सम्मान के लिए प्रतिस्पर्धा की। अध्यक्ष, एनएमपीए ने उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता की और कार्यक्रम के दौरान आधिकारिक तौर पर नए वॉलीबॉल कोर्ट का उद्घाटन किया। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए प्रोत्साहित किया और टूर्नामेंट के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने भाग लेने वाली टीमों के दल की भी समीक्षा की और उन्हें टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए शुभकामनाएं दीं। एनएमपीएससी के अध्यक्ष कैप्टन एस.आर.पट्टनायक ने भाग लेने वाली टीमों का स्वागत किया और टीम वर्क, अनुशासन और नेतृत्व गुणों के निर्माण में खेल के महत्व पर बल देते हुए गर्मजोशी से स्वागत किया।

पत्तन ने 19 दिसंबर, 2023 को अखिल भारतीय महा पत्तन वॉलीबॉल और तटीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट का रोमांचक समापन देखा। एथलेटिकवाद और टीम वर्क के लुभावने प्रदर्शन में, कोचीन पत्तन प्राधिकरण वॉलीबॉल और बीच वॉलीबॉल श्रेणियां दोनों में शीर्ष सम्मान हासिल करते हुए निर्विवाद चैंपियन के रूप में उभरा। वी.ओ. चिदंबरनार पत्तन प्राधिकरण ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए वॉलीबॉल और बीच वॉलीबॉल दोनों में प्रतिष्ठित दूसरा स्थान हासिल किया। एनएमपीए और पारादीप पत्तन भी क्रमशः वॉलीबॉल और तटीय वॉलीबॉल में तीसरा स्थान हासिल किया। 19 दिसंबर को भव्य समापन समारोह की शोभा नव मंगलूर पत्तन प्राधिकरण (एनएमपीए) के अध्यक्ष डॉ. ए.वी. रमणा ने बढ़ाई, जिन्होंने समारोह की अध्यक्षता की और पूरे टूर्नामेंट में प्रदर्शित खेल भावना की सराहना की।

नई यात्री लिफ्ट और मंडल कक्ष के ऑडियो-विजुअल सिस्टम का अध्यक्ष महोदय द्वारा उद्घाटन किया गया :

नव मंगलूर पत्तन प्राधिकरण के अध्यक्ष ने प्रशासन कार्यालय भवन में आधुनिकीकरण गति में 20.10.2023 को नई यात्री लिफ्ट का उद्घाटन किया, जिससे पहुंच में वृद्धि हुई और मंडल कक्ष में अधिक प्रभावी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के लिए एक उन्नत ऑडियो-विजुअल सिस्टम का भी उद्घाटन किया।

> “ हिंदी हमारे देश और भाषा की प्रभावशाली विरासत है। ”
>
> ▪ **माखनलाल चतुर्वेदी**

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), मंगलूरु द्वारा सम्मान

दिनांक 28.11.2023 को आयोजित नराकास, मंगलूरु की 73वीं अर्ध–वार्षिक बैठक में नव मंगलूर पत्तन प्राधिकरण ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), मंगलूरु से वर्ष 2022–23 के लिए संघ की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में बेहतर कार्य निष्पादन हेतु 'तृतीय पुरस्कार' प्राप्त किया।

नव मंगलूर पत्तन प्राधिकरण

आईएसओ 9001:2015, 14001:2015, 45001:2018 एवं आईएसपीएस अनुपालनकर्ता पत्तन
पणंबूर, मंगलूर-575010, द.क.जिला, कर्नाटक
फोन: 0824-2407341 (24 लाइनें) फ़ैक्स: 2408390 सहायता डेस्क: 9731519177
ई-मेल : chairman@nmpt.gov.in

NewMngPort NewMngPort newmngport newmngport https://newmangaloreport.gov.in/